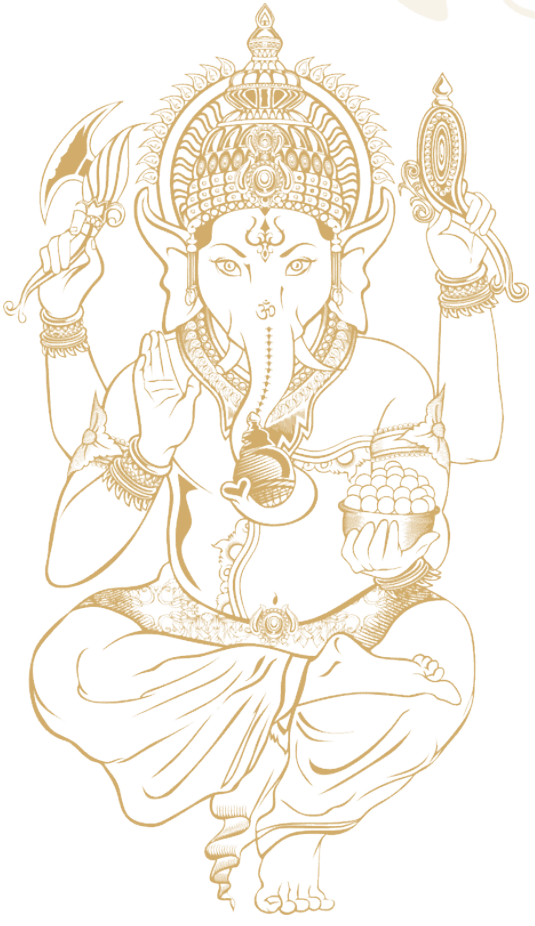

Mrs.savita

12 Oct 1990

05:30 AM

Kangra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11-12/10/1990**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	57:41:38 घटी
स्थान	**Kangra**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:05:04 घंटे
वेलान्तर	00:13:09 घंटे
साम्पातिक काल	06:26:18 घंटे
सूर्योदय	06:25:20 घंटे
सूर्यास्त	17:57:49 घंटे
दिनमान	11:32:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:40:34 कन्या
लग्न के अंश	11:54:16 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:54:16	309:10:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कन्या	24:40:34	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	05:32:51	13:36:42	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			वृष	20:16:35	00:07:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध		अ	कन्या	17:15:45	01:45:33	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			कर्क	16:12:46	00:08:18	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र		अ	कन्या	19:21:55	01:15:01	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			धनु	25:15:49	00:01:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	10:37:33	00:00:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु			कर्क	10:37:33	00:00:12	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:11:01	00:01:23	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:09:27	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	22:49:33	00:02:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	12:18:25	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:55

लग्न-चलित

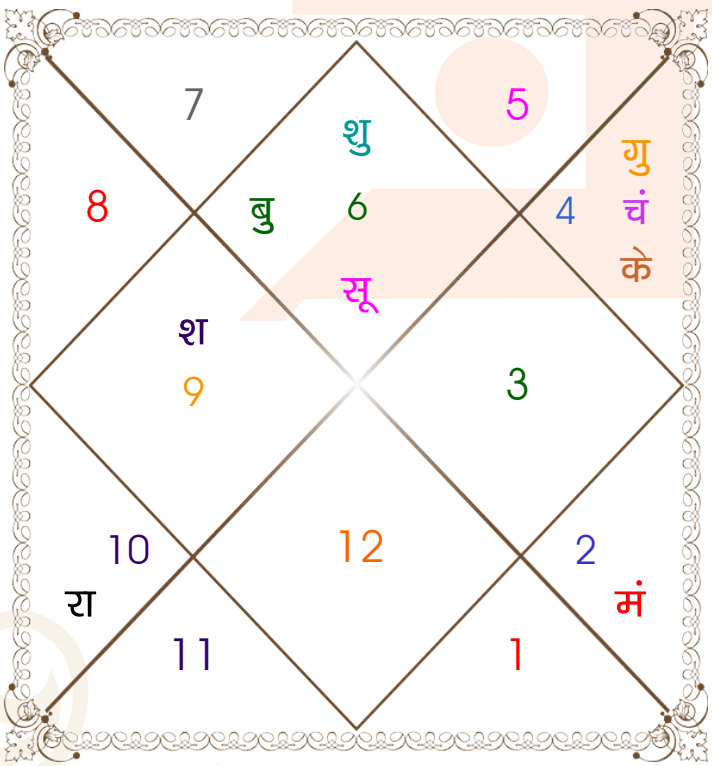

चन्द्र कुंडली

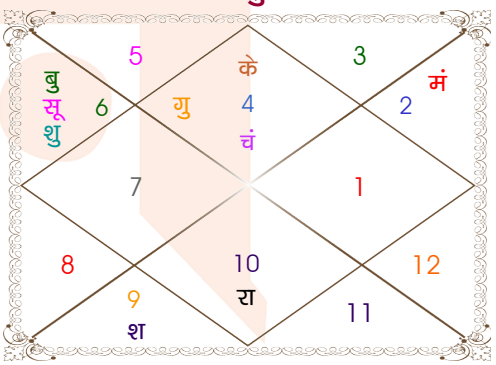

नवमांश कुंडली

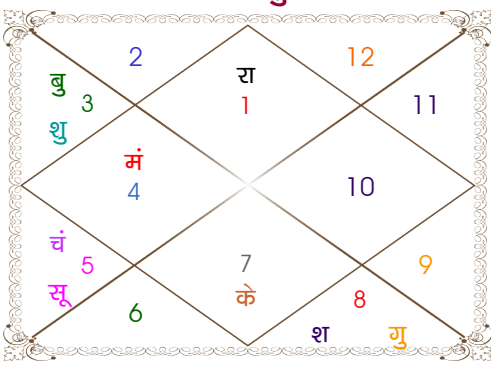

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 10 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/10/1990		16/08/2006		16/08/2023		16/08/2030		16/08/2050	
16/08/2006		16/08/2023		16/08/2030		16/08/2050		16/08/2056	
	12/10/1990	बुध	12/01/2009	केतु	12/01/2024	शुक्र	16/12/2033	सूर्य	04/12/2050
बुध	28/04/1993	केतु	09/01/2010	शुक्र	14/03/2025	सूर्य	16/12/2034	चंद्र	04/06/2051
केतु	07/06/1994	शुक्र	09/11/2012	सूर्य	19/07/2025	चंद्र	16/08/2036	मंगल	10/10/2051
शुक्र	07/08/1997	सूर्य	15/09/2013	चंद्र	17/02/2026	मंगल	16/10/2037	राहु	03/09/2052
सूर्य	20/07/1998	चंद्र	15/02/2015	मंगल	17/07/2026	राहु	15/10/2040	गुरु	22/06/2053
चंद्र	18/02/2000	मंगल	12/02/2016	राहु	04/08/2027	गुरु	16/06/2043	शनि	04/06/2054
मंगल	29/03/2001	राहु	31/08/2018	गुरु	10/07/2028	शनि	16/08/2046	बुध	10/04/2055
राहु	03/02/2004	गुरु	06/12/2020	शनि	19/08/2029	बुध	16/06/2049	केतु	16/08/2055
गुरु	16/08/2006	शनि	16/08/2023	बुध	16/08/2030	केतु	16/08/2050	शुक्र	16/08/2056

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/08/2056		16/08/2066		16/08/2073		16/08/2091		17/08/2107	
16/08/2066		16/08/2073		16/08/2091		17/08/2107		00/00/0000	
चंद्र	16/06/2057	मंगल	12/01/2067	राहु	28/04/2076	गुरु	04/10/2093	शनि	20/08/2110
मंगल	15/01/2058	राहु	31/01/2068	गुरु	22/09/2078	शनि	16/04/2096	बुध	13/10/2110
राहु	17/07/2059	गुरु	06/01/2069	शनि	29/07/2081	बुध	23/07/2098		00/00/0000
गुरु	15/11/2060	शनि	14/02/2070	बुध	15/02/2084	केतु	29/06/2099		00/00/0000
शनि	16/06/2062	बुध	12/02/2071	केतु	04/03/2085	शुक्र	28/02/2102		00/00/0000
बुध	16/11/2063	केतु	11/07/2071	शुक्र	04/03/2088	सूर्य	17/12/2102		00/00/0000
केतु	16/06/2064	शुक्र	09/09/2072	सूर्य	27/01/2089	चंद्र	17/04/2104		00/00/0000
शुक्र	14/02/2066	सूर्य	15/01/2073	चंद्र	29/07/2090	मंगल	24/03/2105		00/00/0000
सूर्य	16/08/2066	चंद्र	16/08/2073	मंगल	16/08/2091	राहु	17/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।